मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 14 सितंबर 2017

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने मनाया हिन्दी दिवस

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आज हिन्दी दिवस मनाया जिसमें प्रसिद्ध साहित्यकार श्रीमति पद्मा सचदेव ने अंग्रेज़ी की बजाय भारतीय भाषाओं में बातचीत और काम करने पर ज़ोर दिया।

श्रीमति सचदेव ने चिंता जताते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं की वर्तमान स्थिति आज अच्छी नहीं है पर उम्मीद की लौ है कि इन्हें बचा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज घरों में मातृ भाषाएं नहीं बोलने के लिए स्त्रियां दोषी हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह स्थिति नहीं बदली तो मातृभाषाओं को बचाना बड़ा मुश्किल हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि मातृ भाषाएं घरों में बोलना इसी तरह कम होती गई तो एक दिन वे भाषाएं मर जाएंगी।

इस अवसर पर जामिया मिल्लिया :जेएमआईः परिसर में प्रसिद्ध चित्रकार मंजीत सिंह की चित्रकला प्रदर्शनी भी लगी जिसे वह पिछले 21 सालों से हिंदी दिवस पर देश में कहीं न कहीं लगाते आ रहे हैं।

जेएमआई के मानविकी एवं भाषा विभाग के डीन प्रो वहाजुदीन अल्वी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भाषा शब्दों नहीं बल्कि तहज़ीब की बात है। उन्होंने कहा कि लेखनी में क्लिष्ट भाषा का प्रयोग हो सकता है लेकिन आम बोल चाल में वैसी ही आसान जुबान बोली जानी चाहिए जो प्रचलन में हो।

जेएमआई के प्रेमचंद अभिलेखागार की निदेशक प्रो सबीहा ज़ैदी ने श्रीमति सचदेव के आज के भाषण को अपने विभाग की ओर से प्रकाशित करने की पेशकश की।

जेएमआई के हिंदी अधिकारी राजेश कुमार ने इस अवसर पर सूचना दी कि हिंदी प्रकोष्ठ ''जामिया दर्पण'' नामक एक पत्रिका शुरू करने जा रहा है जिसमें विश्विद्यालय के अध्यापकों के लेख, कहानी और कविताएं आदि प्रकाशित होंगी।

विश्विद्यालय के सहायक कुलसचिव श्री इक़बाल ए हकीम ने इस आयोजन के लिए हिंदी प्रकोष्ठ और इसमें भाग लेने वालों का धन्यवाद किया।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर